मान.श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री,छ.ग.शासन

शैक्षिक मड़ई–2020

स्थान–सूरजपुर

दिनाँक 11.02.2020 से 13.02.2020

मान.श्री डॉ.प्रेमसाय सिंह
टेकाम मंत्री,स्कूलशिक्षा
विभाग छ.ग. शासन

अकादमिक सहयोग

शासकीय शिक्षक
शिक्षा महाविद्यालय
शंकर नगर रायपुर

आयोजन सहयोग

जिला प्रशासन
सूरजपुर

आयोजक

छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग, रायपुर

प्रेरणास्त्रोत एवं संरक्षक

माननीय श्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम
अध्यक्ष छ.ग. राज्य शिक्षा आयोग
मंत्री–स्कूल शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन

मार्गदर्शक

डॉ.ओ.पी. मिश्रा
सचिव, छ.ग. राज्य शिक्षा आयोग

मार्गदर्शक

श्रीमती जे. एक्का (प्राचार्य)
शास.शिक्षक.शिक्षा.महा.रायपुर

मार्गदर्शक

श्री उपेन्द्र सिंह क्षत्रिय
जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर

कार्यक्रम समन्वयक

श्री सुनील कुमार मिश्रा
शास.शिक्षक शिक्षा महा. रायपुर

अकादमिक मार्गदर्शन एवं सहयोग

1. डॉ. डी.के.बोदले (शास.शिक्षक शिक्षा महा. रायपुर)
2. श्रीमती लता मिश्रा (शास.शिक्षक शिक्षा महा. रायपुर)
3. श्रीमती योगेश्वरी महाड़िक (शास.शिक्षक शिक्षा महा. रायपुर)

संकलन एवं लेखांकन

रेवा राम साहू एम.एड.
2nd SEM CTE RAIPUR

विषयवस्तु

क्र.	विवरण	पृष्ठ कमांक
1	आमुख (सचिव, शिक्षा आयोग छत्तीसगढ़)	
2	प्राचार्य शास. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर की कलम से	
3	कार्यकम समन्वयक श्री सुनील मिश्रा की कलम से	
4	सामग्री निर्माण हेतु प्रशिक्षण व सामग्री/गतिविधियों की तैयारी	
5	निर्मित सामग्री के परीक्षण हेतु डी.एड. छात्राध्यापकों द्वारा अवलोकन	
6	मड़ई आयोजन हेतु सामग्री के साथ सूरजपुर प्रस्थान	
7	सूरजपुर में स्टाल की तैयारी एवं अंतिम रूप में दिख जाना	
8	मड़ई उद्घाटन समारोह	
9	मड़ई में स्टाल का प्रतिभागियों द्वारा अवलोकन	
10	मड़ई समापन दिवस के मुख्य अतिथि श्री मोटवानी जी का स्टाल भ्रमण	
11	मड़ई में कैरियर काउन्सिलिंग सत्र	
12	मड़ई में व्यक्तित्व विकास सत्र	
13	मड़ई में जागरूकता हेतु नाटक/प्रहसन एवं सांस्कृतिक कार्यकम	
14	मड़ई में एक्यूप्रेशर संबंधी जानकारी प्राप्त करते हुए एवं उपचार कराते हुए प्रतिभागी	
15	मड़ई समापन समारोह	

परिशिष्ट

1. "शैक्षिक मड़ई" आयोजन का प्रस्ताव
2. मड़ई में शामिल हुए प्रतिभागी छात्र–छात्राओं की पंजीयन संबंधी जानकारी
3. सहायक शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियों की जानकारी
4. शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं के अनुभव/उद्‌भार
5. पेपर कटिंग
6. छत्तीसगढ़ के कला, शिल्प, संस्कृति एवं धरोहर से परिचय
7. मड़ई में प्रदर्शित छ.ग. के चार चिन्हारी नरवा, गरवा, घुरवा, बारी का मॉडल

1. आमुख

छत्तीसगढ राज्य शिक्षा आयोग के माननीय अध्यक्ष(माननीय मंत्री जी छ.ग. शासन, स्कूल शिक्षा विभाग) महोदय की शैक्षिक गुणवत्ता के प्रति आग्रह और इसके लिए आयोग द्वारा शिक्षा जगत से जुड़े मानवीय संसाधनों पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजन की मंशा के अनुरूप "शैक्षिक मड़ई" के आयोजन का प्रस्ताव तैयार किया गया जिससे शिक्षक,विद्यार्थी एवं समुदाय की उपयोगिता को अधिकतम स्तर तक बढ़ाया जा सके और आपसी सहयोग/सामन्जस्य से प्रदेश में बेहतर शैक्षिक वातावरण का निर्माण हो सके।

सत्र 2019–20 में सूरजपुर जिले में आयोजित किए जाने वाले प्रथम शैक्षिक मड़ई "शैक्षिक मड़ई" कार्यक्रम के प्रस्ताव अनुसार छ.ग. की संस्कृति में मड़ई की महत्ता/उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए एक ऐसे आयोजन का प्रयास किया गया जहाँ एक ही मंच/स्थान पर विद्यार्थी,शिक्षक एवं समुदाय के लाभार्थ विविध आयोजन संभव हो सके। इस कड़ी में सर्वप्रथम शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य, श्रीमती जे. एक्का से संपर्क किया गया आयोग मैडम एक्का के प्रति हृदय से आभारी है कि उन्होंने आयोग के प्रस्ताव को न सिर्फ सराहा वरन् समुदाय के साथ कार्य और विद्यार्थियों के लिए Learning Camp के आयोजन को शिक्षक, प्रशिक्षण का अभिन्न अंग बताते हुए ऐसे आयोजन NAAC (National Assessment and Accreditaion Council) के परीक्षण की दृष्टि से महाविद्यालय के लिए भी अत्यंत उपयोगी निरूपित किया। "शैक्षिक मड़ई" कार्यक्रम के लिए प्राचार्य महोदया द्वारा महाविद्यालय के शिक्षक श्री सुनील मिश्रा को महाविद्यालय की ओर से कार्यक्रम समन्वयक नियुक्त किया गया।

सूरजपुर में "शैक्षिक मड़ई" आयोजन हेतु सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी से महाविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक के साथ प्रत्यक्ष संपर्क कर संपूर्ण अवधारणा को स्पष्ट करते हुए मड़ई का आयोजन हेतु स्थान एवं अन्य आवश्यकताएँ बताते हुए सहयोग का आग्रह किया गया। आयोग सूरजपुर जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी के प्रति हृदय से आभारी है कि उन्होंने न सिर्फ इस आयोजन दिखाई वरन् इसे पूर्णतः सफल बनाया। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि "शैक्षिक मड़ई" में शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर को अकादमिक सहयोग व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु तथा आयोजन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी, सूरजपुर को प्रस्ताव/माँग अनुसार बजट राशि आयोग द्वारा यथा समय उपलब्ध करायी गई।

"शैक्षिक मड़ई" आयोजन के प्रस्ताव अनुसार महाविद्यालय की ओर से नियुक्त कार्यक्रम समन्वयक श्री सुनील मिश्रा के निर्देशन एवं अन्य प्राध्यापकों के सहयोग से सर्वप्रथम विद्यार्थियों के लिए कठिन अवधारणाओं का चिन्हांकन, उन अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए आवश्यक सहायक शिक्षण सामगो(मॉडल) एवं गतिविधि निर्माण के लिए महाविद्यालय के बी.एड./एम.एड. प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं सामग्री निर्माण किया गया। उक्त तैयार सामग्री की उपयोगिता को परखने के लिए आधे दिवस का कैंप/स्टाल लगाकर व डाईट–रायपुर के डी.एड. पशिक्षणार्थियों को आमंत्रित कर निर्मित/तैयार सामग्री का परीक्षण किया गया एवं आवश्यकतानुसार सुधार कर इन्हें अंतिम रूप दिया गया।

रायपुर में समस्त तैयारी पूर्ण कर प्रस्ताव/योजनानुसार दिनांक 09.02.2020 को निर्मित समस्त सामग्री के साथ प्रस्थान कर सूरजपुर मे जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा निर्धारित स्थान पर दिनांक 10.02.2020 को समस्त स्टाल्स सहित आवश्यक तैयारी की गई और दिनांक 11 से 13 फरवरी 2020 तक "शैक्षिक मड़ई" का आयोजन किया गया। "शैक्षिक मड़ई" आयोजन को देखन व सीखने के लिए योजनानुसार प्रत्येक दिवस सूरजपुर जिले के 2–2 विकासखण्डों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आमंत्रित किया गया। शैक्षिक मड़ई में विद्यार्थियों के लिए न सिर्फ शैक्षिक अवधारणाओं की स्पष्टता के लिए स्टाल्स थे वरन् उनकी कैरियर काउन्सिलिंग के साथ साथ व्यक्तित्व विकास हेतु मार्गदर्शन की तीनों दिवस व्यवस्था भी की गई थी। "शैक्षिक मड़ई" में मनोरंजन एवं सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूकता के लिए भी नाटक/प्रहसन सहित विविध आयोजन किए गए तथा इन समस्त आयोजनों की सभी प्रतिभागियों द्वारा उन्मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई।

सूरजपुर में आयोजित प्रथम "शैक्षिक मड़ई" के अत्यंत सफल आयोजन के पश्चात आयोग का अभिमत है कि तरह के आयोजन शिक्षकीय कार्य की एकरसता को समाप्त कर खुशी–खुशी, सीखने–सीखाने के वातावरण के निर्माण में सहायक हो सकते हैं। साथ ही समुदाय की जागरूकता के साथ–साथ उन्हे शाला से जोड़ने एवं शाला को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने के लिए भी तैयार कर सकते हैं। विद्यार्थी, शिक्षक एवं समुदाय के लिए एक ही स्थान पर इस तरह के आयोजन जिला के साथ–साथ विकासखण्ड, संकुल एवं शाला स्तर पर भी किए जा सकते हैं,के प्रदर्शन के लिए ही आयोग द्वारा इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि प्रदर्शित सामग्री एवं कार्यकम ऐसे हों जो आसानी से उपलब्ध सामग्री से सामान्य प्रयास से तैयार किए जा सकें। शैक्षिक मड़ई में पधारे विद्यार्थी, शिक्षक एवं समुदाय की अत्यंत सकारात्मक प्रतिकिया से आयोग पूर्णतः आशान्वित है कि इस तरह के आयोजन भविष्य में और अधिक संख्या में होंगे तथा सभी के समन्वय से बेहतर शैक्षिक वातावरण के निर्माण में सहायक होंगे।

डॉ. ओ.पी. मिश्रा
सचिव
छ.ग. राज्य शिक्षा आयोग
छ.ग. रायपुर

2.प्राचार्य शास. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर की कलम से

3.कार्यक्रम समन्वयक श्री सुनील मिश्रा की कलम से

4.सामग्री निर्माण हेतु प्रशिक्षण व सामग्री/गतिविधियों की तैयारी

प्रशिक्षणः— "शैक्षिक मड़ई" के सफल आयोजन हेतु शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर के 60 छात्राध्यापकों को 5 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती प्रीति जैन के मार्गदर्शन में इस प्रशिक्षण में विषयवार कठिन अवधारणाओं का चिन्हांकन कर उसे सरलतम रूप से सीखने के तरीके विकसित किए गए, तथा शिक्षण सामग्री निर्माण की प्रकिया एव विकास की प्रकिया पर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण करते हुए छात्राध्यापकगण।

(प्रशिक्षण के दौरान शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण करते हुए छात्राध्यापकगण)

5.निर्मित सामग्री के परीक्षण हेतु डी.एड. छात्राध्यापकों द्वारा अवलोकन

शैक्षिक मड़ई में निर्मित शिक्षण सहायक सामगियां सीखने की प्रकिया में कितनी उपयोगी है इस बात के परीक्षण के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर में अध्ययनरत डी.एड के छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षण सामग्रियों के साथ गतिविधियां कराई गई और परीक्षण किया गया ताकि परीक्षणोपरांत आवश्यकता अनुसार सुधार किया जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षण सहायक सामग्री का अवलोकन करते हुए शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर के अकादमिक सदस्य श्री सुनील मिश्रा, श्रीमती लता मिश्रा एवं श्रीमती योगेश्वरी महाड़िक।

6.मड़ई आयोजन हेतु सामग्री के साथ सूरजपुर प्रस्थान

7.सूरजपुर में स्टाल की तैयारी एवं अंतिम रूप में दिख जाना

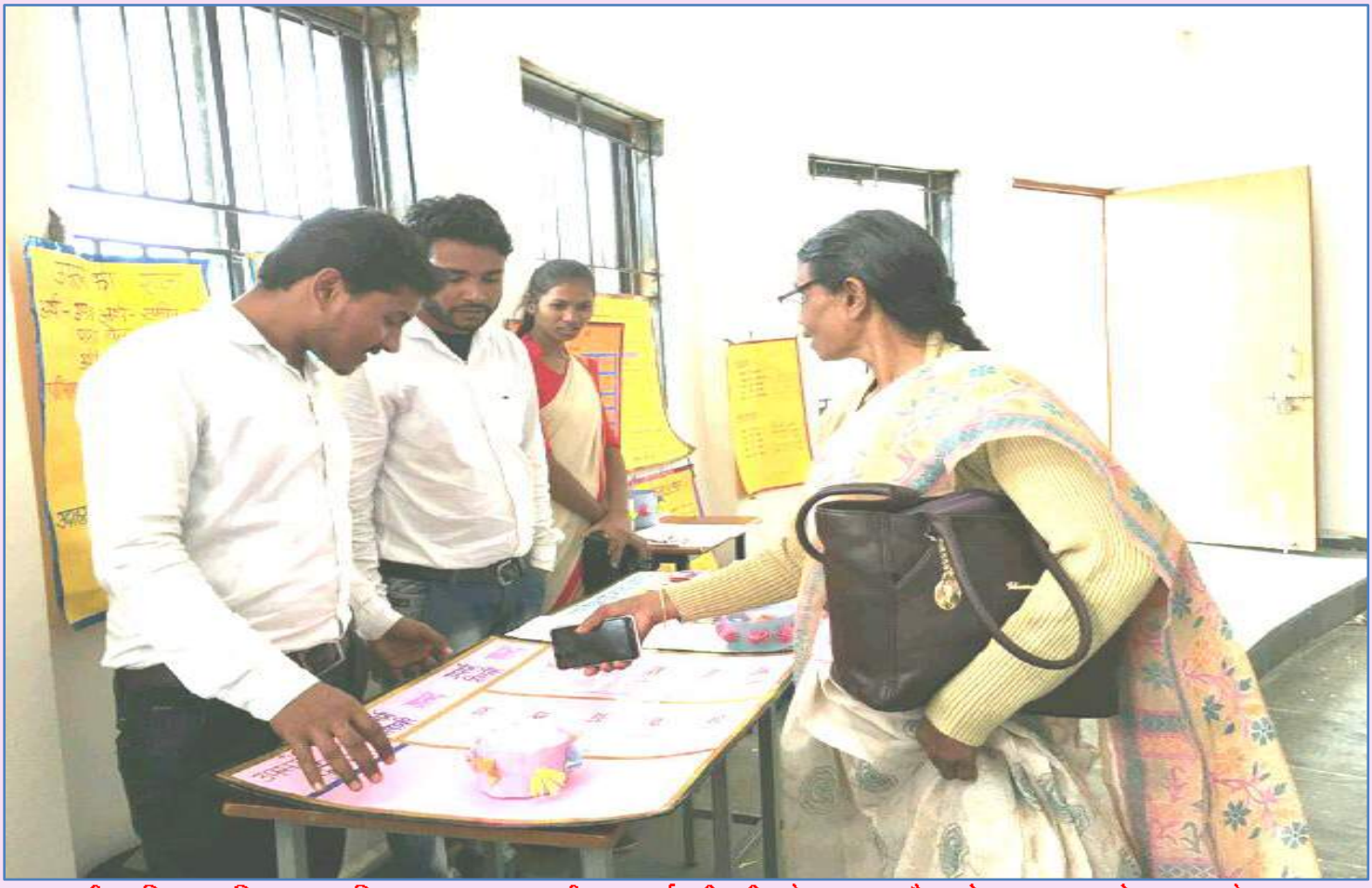

शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर की प्राचार्य श्रीमती जे. एक्का मैम के द्वारा अवलोकन करते हुए

8. मड़ई उद्घाटन समारोह

छत्तीसगढ राज्य शिक्षा आयोग रायपुर के तत्वाधान में सूररजपुर में आयोजित तीन दिवसीय "शैक्षिक मड़ई" 2020 के प्रथम दिवस 11.02.2020 को उद्घाटन समारोह में डॉ. ओ.पी. मिश्रा(सचिव, राज्य शिक्षा आयोग छ.ग.), श्री उपेन्द्र सिंह क्षत्रिय(जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर), श्री शशिकांत सिंह(जिला परियोजना समन्वयक सूरजपुर), श्रीमती जे.एक्का(प्राचार्य शास. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर), कार्यक्रम समन्वयक श्री सुनील मिश्रा (शास. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर), श्री डी.के. बोदले जी, श्रीमती लता मिश्रा, श्रीमती योगेश्वरी महाड़िक एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारीगण उपस्थित हुए।

श्री उपेन्द्र सिंह क्षत्रिय जी द्वारा "शैक्षिक मड़ई" की उपयोगिता एवं महत्व के बारे बताया गया कि हमारे बच्चों के सीखन–सिखाने की प्रकिया सहायक सिद्ध होगी। श्रीमती जे.एक्का(प्राचार्य शास. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर) ने भी बताया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को एक स्थान पर विभिन्न विषयों के कठिन अवधारणाओं को सीखने के अवसर प्राप्त होंगे, साथ ही साथ बच्चों में स्वयं करके सीखने के प्रकिया की ओर अग्रसर होंगे।

9.मड़ई में स्टाल का प्रतिभागियों द्वारा अवलोकन

छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा शिक्षण सहायक सामग्रियों का अवलोकन एवं स्वयं प्रयोग करके सिद्ध करते हुए।

संख्याओं की दुनिया
खेल खेल में
ग्राफ बनाना
सीखे
Level-1
Level-2
COORDINATE GEOMETRY

BODMAS
B→BRACKET
O→ OF
D→DIVISION ÷
M→MULTIPLICATION×

मिकी माउस बच्चों का मनोरंजन करते हुए एवं विभिन्न सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछते हुए। प्रश्न का सही जवाब देने पर बच्चों को पुरस्कार स्वरूप पेन व चाकलेट दिया जाता था। बच्चों को मनोरंजन के साथ खेल–खेल में ही हमारे राज्य एवं देश से संबंधित सामान्य ज्ञान की जानकारी हुई।

10.मड़ई समापन दिवस के मुख्य अतिथि श्री एस.एन.मोटवानी जी(अपर कलेक्टर सूरजपुर) का स्टाल भ्रमण

सूरजपुर अपर कलेक्टर श्री एस.एन मोटवानी जी द्वारा शिक्षण सहायक सामग्रियों के सभी स्टॉलों का अवलोकन किया गया। अपर कलेक्टर महोदय जी द्वारा विभिन्न किया विधियो की बारीकियों का सूक्ष्म निरीक्षण अपने अध्यापन के वर्षों को याद करते हुए किया गया एवं इस विशेष संध्या प्रत्येक स्टॉल पर उनके द्वारा न सिर्फ मौखिक रूप से वरन् लिखित में भी अपनी प्रतिकिया दी गई।

11. मड़ई में कैरियर काउन्सिलिंग सत्र

शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकर नगर के एम.एड. के छात्राध्यापक प्रकाश चन्द्राकर एवं रेवा राम साहू द्वारा बच्चों को कक्षा 10 वीं एवं 12वीं के बाद कैरियर निर्माण के विभिन्न शाखाओं के बारे मे बताते हेतु एवं मार्गदर्शन प्रदान करते हुए। विज्ञान विषय के विभिन्न शाखाओं जैसे गणित में टेक्निकल व नानटेक्निकल एवं चिकित्सा के क्षेत्र में डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्स के बारे मार्गदर्शित किए।

शैक्षिक मड़ई

कक्षा ग्यारहवी की छात्रा कु. अंजु राजवाड़े की शानदार प्रस्तुती के लिए छ.ग. राज्य शिक्षा आयोग सचिव डॉ.ओ.पी. मिश्रा एवं शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर की प्राचार्य श्रीमती जे. एक्का द्वारा पुरस्कार प्रदान करते हुए।

शासकीय उ.मा.वि. दुरती विकासखण्ड प्रतापपुर की कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा कु. अंजु राजवाड़े ने शैक्षिक मड़ई के सभी शिक्षण सहायक सामग्रियों एवं गतिविधियों का सूक्ष्म अवलोकन करने के अपना बताई कि यह कार्यकम हमार लिए बहुत ही उपयोगी है, ऐसे कार्यकम आयोजन हर वर्ष होना चाहिए। अंजु राजवाड़े द्वारा भौतिकी, रसायन, अंग्रेजी एवं जीवविज्ञान के मॉडलों के कियाविधि का विस्तारपूर्वक ऐसा वर्णन किया कि सभाकक्ष में उपस्थित सभी शिक्षकगण, छात्र–छात्राएं एवं अन्य उपस्थित जन दे प्रशंसा किए बिना नहीं रह सके। कक्षा ग्यारहवी की छात्रा कु. अंजु राजवाड़े की शानदार प्रस्तुती के लिए छ.ग. राज्य शिक्षा आयोग सचिव डॉ. ओ. पी. मिश्रा एवं शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर की प्राचार्य श्रीमती जे. एक्का द्वारा पुरस्कार प्रदान किए। अंजु राजवाड़े ने बड़े ही सरलता से आफबाउ के सिद्धांत, फैराडे के नियम, चुम्बकीय सिद्धांत के बारे में अपने अवलोकन का वर्णन किया,गणित में खेल–खेल में ग्राफ बनाना, आकड़ों का संकलन करना सहित सामग्रियों एवं गतिविधियों को सीखनें की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी बताया गया तथा यह भी कहा गया कि शिक्षक के इस तरह के प्रदर्शन से हमें सीखायें तो प्रत्येक बच्चा आसानी से खेल–खेल सीख सकता है। कु. अंजु राजवाड़े ने अपनी शाला के समस्त साथियों को समस्त गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताने एवं सिखाने की बात भी कही।

अजु राजवाड़े ने बताया कि हमें अपने जीवन में आगे बढ़ना है तो हमें स्वयं उस वस्तु की वास्तविकता की पहचान करना होगा और प्रत्यक्ष अवलोकन ही हमारे लिए उपयोगी होगा। इस प्रकार यह शैक्षिक मंड़ई हमारे लिए अत्यंत उपयोगी है।

12.मड़ई में व्यक्तित्व विकास सत्र

शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकर नगर के एम.एड. के छात्राध्यापक श्री जागेश्वर साहू एवं श्रीमती अतुला बासु द्वारा बच्चों को व्यक्तित्व विकास हेतु मार्गदर्शन प्रदान करते हुए।

13.मड़ई में जागरूकता हेतु नाटक/प्रहसन एवं सांस्कृतिक कार्यकम

नाटक/प्रहसन के माध्यम से सामाजिक चेतना एवं जागरूकता लाने का प्रयास किया गया जिससे बच्चों मे सामाजिकता, नागरिकता एवं मानवता का विकास हो सके जिससे वे स्वच्छ समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता निभा सके। साथ ही साथ प्रहसन के माध्यम से पाठ की अवधारणाओं को भी समझाने का प्रयास किया गया। सांस्कृतिक कार्यकम के माध्यम से हमारी संस्कृति,लोकगीत/लोकनृत्य (सुआ, करमा ,ददरिया एवं अन्य सांस्कृतिक धरोहरों) से परिचय कराया गया।

14.मड़ई में एक्यूप्रेशर संबंधी जानकारी प्राप्त करते हुए एवं उपचार कराते हुए प्रतिभागी

"शैक्षिक मड़ई" में एक्यूप्रेशर तकनीकी द्वारा शरीर की विभिन्न परेशानियों से कैसे निपटारा पाना है इसके बारे में विषेशज्ञों द्वारा बताया गया और उपचार भी किया गया। बच्चों को बताया गया कि परीक्षा के समय जब हम तनाव में रहते हैं तो हमें कौन से ऊँगली को काम में लाना है जिससे हमें तनाव महसूस न हो और हम तनाव मुक्त होकर परीक्षा दे सकें। इन सारी तकनीकों के बारे में बताया गया जो बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

(एक्यूप्रेशर तकनीकी के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए छात्र–छात्राएँ)

15.मड़इ समापन समारोह

समापन समारोह में सूरजपुर अपर कलेक्टर श्री एस.एन.मोटवानी जी द्वारा छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित किए और शैक्षिक मड़ई के महत्व को बताते हुए।

परिशिष्ट

1.शैक्षिक मड़ई आयोजन का प्रस्ताव

शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर पूरे प्रदेश में लगातार कार्य किये जा रहे हैं। जिससे प्रदेश में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके। लगातार कार्य करने के बाद भी ऐसी कुछ कठिन अवधारणाएं रह जाती है,जिसके कारण से बच्चें उस कठिन अवधारणाओं को सीखने में कठिनाई महसूस करते हैं। बच्चों के इन्ही कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से लर्निंग केम्प का आयोजन किया जा रहा है, इस केम्प मे कठिन अवधारणाओं पर शिक्षण सहायक सामग्री तैयार की जाता है और उन सामग्रियों के माध्यम से बच्चों को विषयवस्तु के बारे में बताया जाता है। उस सामग्री के द्वारा बच्चें स्वप्रेरित होकर सेल्फ लर्निंग कर सकेंगे साथ ही साथ विषयवस्तु में स्पष्टता आ जाए इस तरह से इस पूरी प्रकिया मे कठिन अवधारणाओं का स्टॉल लगाया जाता है जिसमें प्रतिदिन बच्चें आकर स्वप्रेरित होकर उस सामग्री को स्वयं करके सीखेंगें। केम्प के माध्यम से यह प्रयास रहता है कि बच्चों को विषयवस्तु के प्रति कैसे जोड़ा जाए और कठिन अवधारणाओं को कैसे मॉडल एवं सरल विधियों के द्वारा विश्लेषण किया जाए।

केम्प के माध्यम से बच्चों को कैरियर काउन्सलिंग प्रदान किया जाएगा जिससे बच्चें अपने कैरियर कोर्स के विषय का चयन आसानी से कर सके। किशोरावस्था में बच्चे सही मार्गदर्शन के अभाव में अपने लक्ष्य की पहचान नहीं कर पाते और भटक जाते हैं, सही समय में सही नसीहत मिलने से बच्चे सही मार्ग का चयन कर आगे बढ़ जाते हैं। इसके लिए केम्प के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व विकास को लेकर भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। सांकृतिक कार्यकम,नुक्कड़ नाटक एवं पाठ्यवस्तु के प्रकरण को मंचन करके पाठ के संदेश को बताने का प्रयास किया जाता है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के प्रति जागरूकता एवं समाधान का प्रयास किया जाता है, जिसका सीधा संदेश बच्चों तक पहुंचता है।

लर्निंग केम्प में बच्चों को सभी विषयों के समावेश देखने को मिलता है, इसमें बच्चों को केवल विषयवस्तु की ही जानकारी नहीं अपितु पाठ्येत्तर गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। इस प्रकार से से लर्निंग केम्प बच्चों को नई दिशा प्रदान करने में सहायक होता है।

2.मड़ई में शामिल हुए प्रतिभागी छात्र–छात्राओं की पंजीयन संबंधी जानकारी

शैक्षिक मड़ई सूरजपुर में पंजीकृत बच्चों की जानकारी

कमांक	वि.ख. का नाम	संस्था का नाम	विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
1.	प्रतापपुर	शासकीय उ.मा.वि. श्यामनगर	10	1
2.		शासकीय उ.मा.वि. केवरा	10	2
3.		शासकीय उ.मा.वि. सिलौरा	9	2
4.		शासकीय उ.मा.वि. मानपुर	9	1
5.		शासकीय उ.मा.वि. पंछीडांड	10	1
6.		शासकीय उ.मा.वि. दुरती	10	2
7.		शासकीय उ.मा.वि. हरिहरपुर	10	2
8.		शासकीय उ.मा.वि. सरहेर	10	2
9.		शासकीय उ.मा.वि. सोनगरा	10	2
10.		शासकीय हाई स्कूल खडगवांकला	10	1
11.		शासकीय हाई स्कूल जयजावल	10	1
12.		शासकीय हाई स्कूल बैकोना	10	1
13.		शासकीय उ.मा.वि. गोविंदपुर	20	2
14.		शासकीय उ.मा.वि. लोलकी	20	2
15.		शासकीय कन्या उ.मा.वि.प्रतापपुर	10	2
16.		शासकीय उ.मा.वि. कोटिया	10	1
17.		शासकीय उ.मा.वि. करसि	10	2
18.		शासकीय उ.मा.वि. डॉडकरवा	10	2
19.		शासकीय हाई स्कूल चांचीडांड	10	1
20.		शासकीय हाई स्कूल बगडा	10	1
21.		शासकीय उ.मा.वि. मसगा	9	1
22.		शासकीय उ.मा.वि. भगवानपुर	12	1
23.		शासकीय उ.मा.वि.नवापराकला	9	1
24.		शासकीय उ.मा.वि. धरमपुर	8	2
25.		शासकीय हाई स्कूल बरबसपुर	10	2
26.		शासकीय उ.मा.वि. दरोरा	10	2
	योग		276	40

कमांक	वि.ख. का नाम	संस्था का नाम	विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
1.	प्रेमनगर	शासकीय उ.मा.वि. चंदननगर	21	2
2.		शासकीय उ.मा.वि. महगई	20	1
3.		शासकीय हाई स्कूल ओझा	11	1
4.		शासकीय बालक उ.मा.वि.प्रेमनगर	14	1
5.		शासकीय उ.मा.वि. नरोला	8	2
6.		शासकीय उ.मा.वि. कोटेया	12	1
7.		शासकीय हाई स्कूल मायापुर	4	1
8.		शासकीय हाई स्कूल गणेशपुर	10	1
9.		शासकीय हाई स्कूल महेशपुर	9	1
10.		शासकीय कन्या उ.मा.वि प्रेमनगर	24	3
11.		शासकीय उ.मा.वि. सलका	12	1
12.		शासकीय उ.मा.वि तारा	20	3
13.		शासकीय उ.मा.वि उमेश्वरपुर	23	1
14.		शासकीय उ.मा.वि. बकालो	8	1
	योग		196	20

दिनांक 12.02.2020

कमांक	वि.ख. का नाम	संस्था का नाम	विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
1.	ओड़गी	शासकीय हाई स्कूल धुरू	24	2
2.		शासकीय हाई स्कूल रस्सा	16	1
3.		शासकीय उ.मा.वि. ओड़गी	30	3
4.		शासकीय उ.मा.वि. पकनी	26	2
5.		शासकीय उ.मा.वि.धसेड़ी	32	2
6.		शासकीय कन्या उ.मा.वि. बिहारपुर	9	1
7.		शासकीय उ.मा.वि. दवना	39	2
	योग		176	13

शैक्षिक मड़ई

कमांक	वि.ख. का नाम	संस्था का नाम	विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
1.	रामानुजनगर	शासकीय उ.मा.वि. गणेशपुर	10	1
2.		शासकीय उ.मा.वि. भुनेश्वरपुर	10	2
3.		शासकीय उ.मा.वि. कृष्णपुर	10	2
4.		शासकीय उ.मा.वि. सालही	15	3
5.		शासकीय उ.मा.वि.सोनपुर	48	6
6.		शासकीय उ.मा.वि. देवनगर	25	2
7.		शासकीय कन्या उ.मा.वि. रामानुजनगर	12	1
8.		शासकीय बालक उ.मा.वि. रामानुजनगर	15	3
9.		शासकीय उ.मा.वि.पतरापाली	31	3
10.		शासकीय उ.मा.वि.परशुरामपुर	33	2
11.		शासकीय उ.मा.वि. अगस्तपुर	25	1
12.		शासकीय उ.मा.वि. गोपीपुर	14	2
13.		शासकीय उ.मा.वि. तिवरागुड़ी	12	1
14.		शासकीय हाई स्कूल पासता	14	1
15.		शासकीय हाई स्कूल आमगॉव	24	2
16.		शासकीय हाई स्कूल कोट	44	6
	योग		342	41

दिनांक 13.02.2020

1.	भैयाथान	शासकीय हाई स्कूल अरटोराकला	10	2
2.		शासकीय हाई स्कूल रामनगर	47	2
3.		शासकीय उ.मा.वि. गंगौरी	52	5
4.		शासकीय कन्या उ.मा.वि. भैयाथान	31	3
5.		शासकीय बालक उ.मा.वि. भैयाथान	77	1
6.		D.A.B.P दतिमा	17	3
7.		R.M.S.A. छात्रावास भैयाथान	45	1
8.		प्री.+ पोस्ट मैट्रिक क. छात्रावास भैयाथान	42	2
9.		शास. कन्या उ.मा.वि.विश्रामपुर	68	3
	योग		389	22

कमांक	विकासखण्ड का नाम	संस्था का नाम	विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
1.	सूरजपुर	प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास सूरजपुर	41	1
2.		पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास सूरजपुर	21	1
3.		कस्तूरबा गांधी बालिकावास सूरजपुर	40	3
4.		कन्या शिक्षा परिसर सूरजपुर	53	2
5.		शास. हाई स्कूज लांची	17	1
6.		शास. बालक छात्रावास सूरजपुर	14	1
7.		शास. कन्या उ.मा.वि.सूरजपुर	95	18
8.		शास. उ.मा.वि.गिरिवरगंज	74	4
9.		शास. बालक उ.मा.वि.सूरजपुर	150	2
10.		शास. उ.मा.वि.शिवप्रसादनगर	32	3
11.		Spc बालक शाला सूरजपुर	35	2
12.		शास. कन्या उ.मा.वि.नवापारा सूरजपुर	72	2
13.		शास. हाई स्कूल तितरकंध	18	1
14.		शास. मा.शाला सलका सूरजपुर	12	2
15.		शास.उ.मा.वि. करंजी सूरजपुर	2	1
16.		शास. प्राथ. शाला झारपारा पंपापुर	16	1
	योग		692	45

3.सहायक शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियों की जानकारी

टेबल क्रमांक	TLM का नाम	छात्राध्यापक का नाम	सहायक छात्राध्यापक	Photo
1	सर्वांगसमता व समरूपता	कु.सान्द्र करूणामणि		
2	संख्याओं का खेल	कु. मंजू निषाद		
3	ज्यामिति निर्देशांक	कु.भाग्यश्री वर्मा		
4	आयुर्वेदिक उपचार	श्री हरिशंकर वर्मा		
5	Make Words with Fun	श्री सुमित पाण्डेय		
6	झिलमिल सितारा	श्री गांधी निषाद	श्री कृष्ण कुमार	
7	Parts of Speech	श्रीमती विभा सिंह	श्रीमती शगूफ्ता सुल्ताना	
8	Tense	श्री शैलेन्द्र सोनी	श्री सोहन चंद्राकर	

9	Parts of Body	श्री तेज कुमार		
10	Types of Sentences	कु. तज्जीन सिद्धिकी		
11	मुहावरों की दुनिया	श्री जगदीश भोयर		
12	आओ जाने संधि	कु. नम्रता लकड़ा		
13	पर्यायवाची शब्द भंडार	कु.जीनी गुप्ता		
14	उपसर्गों की दुनिया	श्री तीर्थेश्वर साहू		
15	बाजार का वर्गीकरण	श्री जागेश्वर प्रसाद साहू	श्रीमती अतुला वासु	
16	Balance sheet	कु. गोपिका		
17	बैंकिंग और खाता बही	श्रीमती आरती पाण्डेय	डॉ राजेंद्र काले	

18	रक्तदान महादान	कु.संध्या कुजूर	कु. मधुप्रिया	
19	मनुष्य के शरीर का अस्थि ढांचा	कु.महारानी धुर्वे	श्री गजेन्द्र साहू	
20	अंतःस्त्रावी ग्रंथियाँ	कु. टीना मण्डावी		
21	पारिस्थितिक तंत्र	कु. कुमुद चंद्राकर	कु.रंभा राठिया	
22	महाद्वीप और महासागर पहेली	कु.नीलू कंवर		
23	मतदान प्रक्रिया	श्री ज्ञानेश्वर वर्मा	कु.करिश्मा साव	
24	ऊर्जा के प्रकार (गैर/पारंपरिक)	कु.निशा ठाकुर		
25	मांग की कीमत लोच	श्री धनीराम साहू		
26	सरकारी योजनाएं	कु. पुष्पांजली		

27	Craft Station	कु. वैशाली सोनी		
28	चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएं	कु.कविता ठाकुर		
29	फैराडे का नियम	श्री तुषार साहू		
30	गति के प्रकार	कु.नेहा दुबे		
31	कार्बन प्रतिरोध	श्री टीकेन्द्र कुमार साहू		
32	चालक व कुचालक	श्री विनय कुमार साहू		
33	विभिन्न उपकरणीय घटक	श्री परमानंद बंधे		
34	प्रतिबिम्बो की भूलभुलैया	कु. तरूणा खल्खो	कु.अर्चना भोई	
35	संख्यावाची	श्री केदारनाथ जायसवाल		

36	संस्कृत धातुरूप	श्री नारायण साहू		
37	संस्कृत प्रत्यय	श्री रेवाराम साहू		
38	संस्कृत पशुओं के नाम	श्री द्वारिका नेताम		
39	त्रिविमीय आकृतियों का आयतन	कु.प्रिया शर्मा		
40	क्रमचय	श्री भूपेन्द्र कुमार साहू		
41	BODMAS rule	श्री रोशन कुमार साहू		
42	वृत्त के प्रमेय का सत्यापन	श्रीमती कविता चंद्राकर		
43	चतुर्भुज गजानन	श्री शरद शांडिल्य		
44	कोणों का खेल	श्री गजेन्द्र साहू	श्री जितेन्द्र	

45	फलन के प्रतिचित्रण	कु. श्वेता यदु	कु.नेहा बारीक	
46	लघुत्तम समापवर्त्य	श्री गणेश्वर ठाकुर		
47	आफबाऊ का नियम	श्री मुकेश देवागंन		
48	गैस के नियम एवं रसायन	श्री प्रकाश चंद्राकर	कु.जयश्री वर्मा	

4. पेपर कटिंग

शैक्षिक मड़ई में बच्चों ने सीखी शिक्षण की सरल विधियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

मड़ई के दौरान संबोधित करते अतिथि।

यहां आयोजित शैक्षिक मड़ई में प्रतापपुर एवं प्रेमनगर के बच्चों को खेल-खेल में विभिन्न विषयों के माडलों के प्रत्यक्ष देखने एवं स्वयं करके सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। विषयवस्तु के माडलों के प्रति बच्चों में काफी रोचकता देखी गई। बच्चे खुद माडलों का उपयोग कांसेप्ट मैप के माध्यम से करके सीख थे। बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों में भी उत्सुकता एवं रोचकता का माहौल बना रहा। समय-सीमा होने के बाद भी बच्चों में देखने की उत्सुकता बनी रही। गणित, एकान्तर कोण, फलन के प्रतिचित्रण, भौतिक में फैराडे के नियम, संस्कृत में धातुरूप कारक, विभक्ति एवं संख्यावाची की जानकारी, अर्थशास्त्र में मांग एवं पूर्ति, कामर्स में बैंकिंग एवं लेखांकन, वैलेस सीट, अन्तराष्ट्रीय बाजार, बायोलाजी में हार्मोंस, पारिस्थिति, सामाजिक विज्ञान में महासागरों के विस्तार जानकारी, हिन्दी में मुहावरा, रसायन में ऑफबाउ का सिद्धान्त, अंग्रेजी में नाउन एवं इंटरोगेटिव आदि विषयों के बारें में रूचि पूर्वक सीखें। इसके पश्चात दूसरी पाली में ओ.पी. मिश्रा सचिव, राज्य शिक्षा आयोग छ.ग., श्रीमती जे.एक्का. प्राचार्य शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर, उपेन्द्र सिह क्षत्री, जिला शिक्षा अधिकारी, शशिकांत सिंह, जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, डी.के. बोदले सहायक प्राध्यापक, सुनील मिश्रा, श्रीमती लता मिश्रा, श्रीमती वाई के महाड़कि समस्त विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी , समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर के एम.एंड. के छात्राध्यापक जागेश्वर साहू, श्रीमती अतुला बासु के द्वारा पर्सनाल्टी डेवलपमेन्ट में व्याख्यान दिया । प्रकाश चन्द्राकर एवं कृष्ण कुमार के द्वारा विज्ञान एवं कला विषयों पर कैरियर गाईडेन्स प्रदान किए। इस कार्यक्रम के फीडबैक में शासकीय उ.मा.वि. दुरती विकास खण्ड प्रतापपुर के कक्षा 11 वी के छात्रा कुमारी अंजु राजवाडे के द्वारा शैक्षिक मड़ई में जो सीखी हैं उनके बारे में बडे ही सहजता से बतायी की यह शैक्षिक मड़ई स्वयं एवं प्रत्यक्ष करके सीखने के लिये काफी बेहतर है ।

कैरियर कांउसलर ने छात्रों को दिए अच्छे अंक लाने के टिप्स

■ शैक्षिक मड़ई का दूसरा दिन

सूरजपर, 12 फरवरी (देशबन्धु)। शैक्षिक मडई के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में जिले के जनपद पंचायत रामानुजनगर एवं ओड़गी के लगभग 600 से अधिक छात्रों ने शैक्षिक मड़ई मेला का अवलोकन किया एवं टीएलएम को देखकर पढ़ने के गुर सीखे। शिक्षा महाविद्यालय रायपुर से आये बीएड एवं एमएड के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे बच्चों ने बड़े उमंग एवं उत्साहपूर्वक मड़ई का आनन्द उठाया। द्वितीय सत्र में शिक्षा महाविद्यालय रायपुर आये कैरियर कांउसलर ने कैरियर गाइडेन्स पर छात्र एवं छात्राओं को व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने छात्रों के व्यक्तित्व विकास के साथ अच्छे अंक लाने हेतु टिप्स बताते हुए प्रेरणादयी बातें बताई। उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है, सब कुछ संभव है ।यह यदि जूनून के साथ नियमित प्रयास करने से उँचाई को प्राप्त किया जा सकता है ।उन्होंने 10वीं 12वीं के बच्चों को किन–किन क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते है। उसकी विस्तार से जानकारी दी और बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ उनकी बात सुनकर आगे बढ़ने की बात कही।

छात्राओं को बताए गए टिप्स

शैक्षिक मडई कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं।

सूरजपर। शैक्षिक मडई के दूसरे दिन जिले के रामानुजनगर एवं ओड़गी जनपद के बड़ी संख्या में छात्रों ने शैक्षिक मड़ई मेला का अवलोकन किया एवं टीएलएम को देखकर पढ़ने के गुर सीखे। शिक्षा महाविद्यालय रायपुर से आये बीएड एवं एमएड के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। द्वितीय सत्र में शिक्षा महाविद्यालय रायपुर आये कैरियर कांउसलर ने कैरियर गाइडेन्स पर छात्र एवं छात्राओं को व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने छात्रों के व्यक्तित्व विकास के साथ अच्छे अंक लाने हेतु टिप्स बताते हुए प्रेरणादयी बातें बताई। उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है, सब कुछ संभव है।

राज्य में पहली दफा शैक्षिक मड़ई मेलें का आयोजन में साक्षी बना जिला सूरजपुर

तीन दिवसीय आयोजन में समापन दिवस पर छात्रों को शिक्षण सामग्री के लिए दिया गया सुझाव

सूरजपुर 13 फरवरी । प्रदेश में पहली दफा तीन दिवसीय शैक्षिक मड़ई मेला का आयोजन सूरजपुर जिला मुख्यालय के मुख्य मार्ग पर स्थित तिलसिवां दुर्गा मंदिर प्रांगण में कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में शासकीय शिक्षक महाविद्यालय शंकर नगर रायपुर के अकादमिक सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा किया गया।इस तीन दिवसीय आयोजन में राजधानी रायपुर के शासकीय शिक्षा महाविद्यालय से पहुंचे बीएड, एमएड तथा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों के द्वारा बच्चों के आवश्यकता एवं जरुरतों के अनुसार टीचिंग लर्निंग मटेरियल प्रदर्शित कर बच्चों को समझाया गया। जिसमें जिले के सभी विकासखण्डों से आये बच्चों ने शैक्षिक मड़ई मेला में लगे टीचिंग लर्निंग मटेरियल के विभिन्न विषयों जैसे सर्वांगसमता व समरुपता, संख्याओं का खेल, ज्यामिति निर्देशांक, आयुर्वेदिक उपचार, मेक वर्डस विथ फन, झिलमिली सितारा, पार्टस ऑफ स्पीच, टेंस, पार्टस ऑफ बॉडी, टाईप्स ऑफ सेंटेंस, मुहावरों की दुनिया, आओ जाने संधि, पर्यायवाची शब्द भण्डार, उपसर्गो की दुनिया, बाजार का वर्गीकरण, बैलेंस सीट, बैंकिग एवं खाताबही, रक्तदान महादान, मनुष्यों का शरीर का अस्थि ढांचा, अंतः स्त्रावी ग्रंथियां, पारिस्थितिकी तंत्र, महाद्वीप और महासागर पहेली, मतदान प्रक्रिया, उर्जा के प्रकार (गैर एवं पारंपरिक), मांग की कीमत लोच, सरकारी योजनाएं, क्रॉफ्ट स्टेषन, चुम्बकिय क्षेत्र रेखाएं, फैराडे के नियम, गति के प्रकार, कार्बन प्रतिरोध, चालक व कुचालक, विभिन्न उपकरणीय घटक, प्रतिबिंबो की भूलभुलाईया, संख्यावाची, सस्कृत धातु रुप, संस्कृत प्रत्यय, संस्कृत पशुओं के नाम, त्रिविमिय आकृतियों का आयतन, क्रमचय, बोडमास रुल, वृत के प्रमेय का सत्यापन, चतुर्भुज गजांन, कोणो का खेल, फलन के प्रति चित्रण, लघुतम समावर्त्य, आफबाउ का नियम, गैसे के नियम एवं रसायन आदि विभिन्न विषयों के बारे में बच्चों ने स्वयं भाग लेकर षिक्षण सामग्री का अवलोकन किया एवं मड़ई मेला में लगे आकर्षित शैक्षिक सामग्रियो को बच्चों ने खुब सराहा तथा षिक्षण सामग्री से विषय वस्तु को आसानी से समझा। मड़ई मेला में शिरकत करने वाले छात्रों ने बताया कि स्कूलों में भी पढाया जाता है, लेकिन मड़ई मेला लगे षिक्षण सामग्री से हमे आसानी से समझने एवं सिखने का अवसर मिला है।

जिसे हम कभी नही भूल सकते बच्चों ने इस प्रकार की प्रेरणादायी षिक्षण सामग्री को बड़े ही उमंग एवं जोष के साथ देखा और उसे अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही।

नरवा, गरुवा, घुरुवा और बाड़ी योजना का भी मड़ई मेला में प्रदर्शन-

महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरुवा, घुरुवा और बाड़ी योजना का भी शैक्षिक मड़ई मेला में प्रदर्षन किया गया, मेले में योजना से संबंधित विभिन्न विषयों के मॉडल का प्रदर्षन किया गया। जिसे बच्चों ने देखकर गौठान व इससे जुडे अन्य परिकल्पनाओं को समझा और रूचि लेकर प्रश्नों पुछकर योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली। इसके साथ ही षिक्षको के द्वारा नरवा, गरुवा, घुरुवा और बाड़ी के उपयोगिता एवं उसके लाभ के बारे में बच्चों को विस्तार से समझाया गया और बताया गया कि इस योजना को अपने गांव-घर में अधिक से अधिक प्रयोग करके छत्तीसगढ़ की संस्कृति को जागृत करने के साथ हमारे पर्यावरण को भी मजबुत करने का कारगर उपाय है।

शैक्षिक मड़ई मेला के समापन में राजधानी से पहुंचे विषय विशेषज्ञो नें सक्षम सूरजपुर पहल की करी सराहना-

11फरवरी से आयोजित इस मेले के आयोजन में कलेक्टर दीपक सोनी के रचनात्मक पहलों में शामिल सक्षम सूरजपुर से जहां जिले का शैक्षणिक स्तर सभी क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रहा है।इसी क्रम में आयोजन में अपनी भागीदारी देने पहुंचे राजधानी रायपुर के विभिन्न विषय विशेषज्ञो के द्वारा आयोजन के दौरान अवगत होनें से इसकी सराहना करी और कहा कि

उचित योजना के क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सक्रियता व दूरदर्शी सोच के साथ सतत समिक्षा से कमियों को दूर करते हुए यह पहल अपने उद्देश्य को हासिल करते हुए सफलता के नए आयाम गढ़ेगी।वहीं इस आयोजन के लिए जिला षिक्षा अधिकारी उपेन्द्र सिंह क्षत्री ने जिला प्रषासन एवं रायपुर से आए टीम को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन पी0सी0 सोनी प्रचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सर्व षिक्षा अभियान के जिला समन्वयक शषिकांत सिंह, डी.के.बोदले सहायक प्राध्यपक, सुनिल मिश्रा, श्रीमती लता मिश्रा, श्रीमती योगेष्वरी महाडिक, विकासखंड के समस्त षिक्षा अधिकारी, अन्य षिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं समस्त विकासखंडों से आये 2146 बच्चे उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर

पेज 8 का शेष...

राज्य के नोडल अधिकारी...

आयोजन के दौरान इन गतिविधियों पर रहा फोकस-

कार्यशाला में आइसीआरजी की टीम के साथ नरवा, गरूवा, घुरूवा और बारी से जुड़े सभी संबंधित जिला अधिकारी, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा सहित सभी कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, बारी और घुरूवा से जुड़े लाभार्थी तथा ग्राम गौठान समितियों के अध्यक्ष,

---

शैक्षिक मड़ई मेले का हुआ समापन

कार्यक्रम

- **बच्चों ने अंतिम दिन दिये शिक्षण सामग्री के लिए अपने सुझाव**
- **अपर कलेक्टर ने किया मॉडल प्रदर्शनी का किया निरीक्षण**
- **नवभारत ब्यूरो। सूरजपुर.**
  www.navabharat.org

शासकीय शिक्षक महाविद्यालय शंकर नगर रायपुर के अकादमिक सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मेन रोड तिलसिवां के दुर्गा मंदिर प्रांगण में 3 दिनों तक चलने वाले शैक्षिक मड़ई मेला का आज 13 फरवरी 2020 को समापन हुआ. जिसमें रायपुर शासकीय षिक्षा महाविद्यालय से आये बीएड, एमएड तथा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों के द्वारा बच्चों के आवश्यकता एवं जरुरतों के अनुसार टीचिंग लर्निंग मटेरियल प्रदर्शित कर बच्चों को समझाया गया. जिसमें जिले के सभी विकासखण्डों से आये बच्चों ने शैक्षिक मड़ई मेला में लगे टीचिंग लर्निंग मटेरियल के विभिन्न विषयों जैसे सर्वगसमता व समरुपता, संख्याओं का खेल, ज्यामिति निर्देशांक, आयुर्वेदिक उपचार, मेक वर्डस विथ फन, झिलमिली सितारा, पार्टस ऑफ स्पीच, टेंस, पार्टस ऑफ बॉड़ी, टाईप्स ऑफ सेटेंश, मुहावरों की दुनिया, आओ जाने संधि, पर्यायवाची शब्द भण्डार, उपसर्गो की दुनिया, बाजार का वर्गीकरण, बैलेंस सीट, बैंकिंग एवं खाताबही, रक्तदान महादान, मनुष्यों का शरीर का अस्थि ढांचा, अंतः स्त्रावी ग्रंथियां, पारिस्थितिकी तंत्र, महाद्वीप और महासागर पहेली, मतदान प्रक्रिया, उर्जा के प्रकार (गैर एवं पारंपरिक), मांग की कीमत लोच, सरकारी योजनाएं, क्रॉफ्ट स्टेशन, चुम्बकिय क्षेत्र रेखाएं, फैराडे के नियम, गति के प्रकार, कार्बन प्रतिरोध, चालक व कुचालक, विभिन्न उपकरणीय घटक, प्रतिबिंबो की भूलभुलाईया, संख्यावाची, सस्कृत धातु रुप, संस्कृत प्रत्यय, संस्कृत पशुओं के नाम, त्रिविमिय आकृतियों का आयतन, क्रमचय, बोडमास रुल, वृत के प्रमेय का सत्यापन, चतुर्भुज गजांन, कोणो का खेल, फलन के प्रति चित्रण, लघुतम समावर्त्य, आफबाउ का नियम, गैसे के नियम एवं रसायन आदि विभिन्न विषयों के बारे में बच्चों ने स्वयं भाग लेकर शिक्षण सामग्री का अवलोकन किया एवं मड़ई मेला में लगे आकर्षित शैक्षिक सामग्रियों को बच्चों ने खूब सराहा तथा शिक्षण सामग्री से विषय वस्तु को आसानी से समझा.

मड़ई मेला में आये बच्चों ने बताया कि स्कूलों में भी पढ़ाया जाता है लेकिन मड़ई मेला लगे शिक्षण सामग्री से हमे आसानी से समझने एवं सीखने का अवसर मिला जिसे हम कभी नही भूल सकते बच्चों ने इस प्रकार की प्रेरणादायी शिक्षण सामग्री को बड़े ही उमंग एवं जोश के साथ देखा और उसे अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही.

5.शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं के अनुभव/उद्‌भार

अनुभव नं. –1

शैक्षिक मड़ई का मेला लगा है उसमें संपूर्ण विषय का ज्ञानवर्धक जानकारियां है। खेल–खेल में विद्यार्थी मनोरंजन के साथ ज्ञान अर्जन कर सकते हैं। विषयवस्तु के कठिन बिन्दु है उसे मनोरंजन के साथ सरल तरीके से सीख सकते है। इस शैक्षिक मड़ई के सभी प्रदर्शनी बहुत ही अच्छा है।

इन्द्रावती एवं अश्विन लकड़ा (शिक्षक)
शासकीय.उ.मा.वि. सरहरी
वि.ख प्रतापपुर जिला सूरजपुर

अनुभव नं. –2

दिनांक 11.02.2020 के शैक्षिक मड़ई में विद्यार्थियों के साथ सहभागिता निश्चित रूप से प्रेरणादायी है। विषयवस्तु का ज्ञान किताबों की बोझ से हटकर स्वयं करके सीखने की कला प्रशंसनीय है। उक्त मड़ई के अनुभवों व प्रेरणाओं को अपने विद्यालय में शिक्षक साथियों के साथ साझा करते हुए बेहतर गुणवत्ता युक्त अध्यापन विद्यालय में कराने का प्रयास किया जावेगा।

ए.एम.जीमल (शिक्षक)
शासकीय उ.मा.वि. हरिहरपुर
वि.ख.प्रतापपुर,जिला सूरजपुर

अनुभव नं. –3

शैक्षिक मड़ई में छात्र छात्राआं के द्वारा बनाया गया मॉडल के द्वारा हम वैज्ञानिक सिद्धांत तथा उर्जा का पिरामिड को अच्छे से सीख सकते है इसमें आफबाऊ के नियम के द्वारा इलेक्ट्रान भरने का क्रम और कक्षक कक्षक और कक्षक में अधिकतम इलेक्ट्रानों की संख्या भरना सरल तरीके से सीखकर विद्यालय में जाकर अभ्यास करेंगे और अन्य बच्चों को भी सीखाएंगे, जिससे बच्चे रूचिपूर्वक कार्य को पूर्ण करेंगे और विषयवस्तु में अपना पकड़ मजबूत करेंगे।

श्रीमती बीना उपाध्याय (शिक्षिका)
शासकीय उ.मा.वि. दुरती
वि.ख.प्रतापपुर जिला सूरजपुर

अनुभव नं. –4

मैं श्रीमती जाहिदाखान सी.ए.सी संकुल केन्द्र नवापारा वि.ख. विश्रामपुर जिला सूरजपुर से हूं मुझे शैक्षिक मड़ई का अवलोकन करने का अवसर मिला जो काफी सराहनीय है,यहाँ पर सभी विषयों को बड़े सरल तरीके से समझाया गया ,सभी योग्य शिक्षकों द्वारा बड़े सराहनीय ढंग से कार्य का संचालन किया गया। इस कार्यकम के व्यवस्थापक एवं उसकी समस्त टीम को बहुत–बहुत एवं उनका तह दिल से सुकिया।

श्रीमती जाहिदा खान (शिक्षिका)
सी.ए.सी विश्रामपुर जिला सूरजपुर

अनुभव नं. –5

शैक्षिक मड़ई के आयोजन से हमारे संस्था के बच्चों ने अवलोकन किया जिसमें बच्चों को हिन्दी,अंग्रेजी,गणित,संस्कृत,भौतिकी,रसायन,वाणिज्य,भूगोल एवं कला आदि विषयों का मॉडल के माध्यम से विभिन्न जानकारियां दी गई जिसे बच्चे बहुत आसानी से समझ पाए। यह आयोजन बच्चों की शैक्षिक स्तर में सुधार लाने एवं बच्चों में विषयवस्तु के प्रति रूचि उत्पन्न करने में सहायक है।

मोह. हफीज अंसारी, व्याख्याता
शासकीय हाई स्कूल बैकोना
वि.ख.प्रतापपुर जिला सूरजपर

अनुभव नं. –6

प्रदर्शनी में दिखाई गई सभी चीजें काफी प्रभावशाली व महत्वपूर्ण है जिससे बच्चों को काफी कुछ आसानी से सिखाया जा सकता है। शैक्षिक मड़ई में आए बच्चों में काफी उत्साह पाया गया सभी बच्चे विषयवस्तु को गंभीरता से समझे है। ऐसे प्रदर्शन एवं मॉडल के माध्यम से अध्यापन कराया जाए तो बच्चों को विषयवस्तु को सीखने में आसानी होगी।

भावना वर्मा, व्याख्याता
शासकीय कन्या उ.मा. वि. प्रतापपुर
वि.ख.प्रतापपुर जिला सूरजपुर

अनुभव नं. –7

यह शैक्षिक मड़ई कार्यक्रम बहुत ही बेहतर रहा। यह कार्यक्रम बच्चों के सीखने के लिए काफी मददगार है। ऐसा कार्यक्रम संकुल स्तर पर किया जाए तो अधिक से अधिक बच्चें लाभान्वित हो पाऐंगे। और शिक्षकों को भी विषयवस्तु के अध्यापन में नवाचारी तकनीकी के बारे में जानकारी मिल पाएगी।

कमला ठाकुर (शिक्षिका)
डी. ए. बी स्कूल दतिमा

अनुभव नं. –8

शैक्षिक मड़ई में हमारे विद्यालय शास.उ.मा.वि लोलकी से आए छात्र छात्राओं ने मजे से शैक्षिक मड़ई का भ्रमण किए हैं। इस शैक्षिक मड़ई में बहुत सारी जानकारियां प्राप्त हुई जिसके बारे में हमें पता नहीं था उसके बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही साथ बच्चों को कैरियर गाइडेस एवं व्यक्तित्व विकास के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किए वह बहुत ही सराहनीय रहा। इससे बच्चों में निश्चित ही आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

किपान्ती मिंज(शिक्षिका)
शास.उ.मा.वि लोलकी

अनुभव नं. –9

मैं अंजु राजवाड़े शा. उ. मा. वि. दुरती कक्षा ग्यारहवीं विज्ञान की छात्रा हूॅ। मैने शैक्षिक मड़ई के सभी पहलुआं को करीब से देखी हूॅ यह कार्यक्रम हमारे लिए काफी लाभदायक है। शिक्षकों द्वारा बनाए गए सभी मॉडल बहुत ही अच्छे है सभी विषयों पर मॉडल हमारे विषयवस्तु को स्पष्ट कर रहे हैं। हमारे विद्यालय से कुछ ही छात्र–छात्राएं यहॉ आ पाए हैं, मैं यहां की सभी गतिविधियों को प्रत्यक्ष देखी हूॅ मुझे बहुत ही अच्छा लगा। मेरे साथी गण यहॉ तक नहीं आ पाए हैं उन्हे मै विद्यालय जा कर उन लोगों को समझा पाऊं ऐसा नोट्स तैयार करूंगी और सभी मॉडलो के बारे में बताउंगी।

कु अंजु राजवाडे (छात्रा)
शास.उ.मा. वि. दुरती

अनुभव नं. –10

शैक्षिक मड़ई में पाठ एवं विषयवस्तु से संबंधित दिखाई गई सभी जानकारियां बहुत ही अच्छा लगा। हमें पाठ के बारे में जानकारियां प्रदान की गई वो हमें अच्छा लगा, हमें सभो विषयों के बारे में बहुत अच्छी–अच्छी जानकारियां मिली,कठिन चीजों को आसान भाषा में समझाया गया और हमें बहुत कम समय में समझ आ गया। इस प्रकार से यह कार्यकम हमारे लिए कॉफी रोचक एवं शिक्षाप्रद रहा।

कु. सुशीला (छात्रा)
शास.उ.मा. वि. श्यामनगर
वि.ख.प्रतापपुर जिला सूरजपु

6.छत्तीसगढ़ के कला, शिल्प, संस्कृति एवं धरोहर से परिचय

छत्तीसगढ़ के कला, शिल्प, संस्कृति एवं धरोहर से परिचय कराने हेतु छत्तीसगढ़ी मृदा शिल्प एवं बांस कला से बने विभिन्न सामग्रियों की प्रदर्शनी

7. मड़ई में प्रदर्शित छ.ग. के चार चिन्हारी नरवा, गरवा, घुरवा, बारी का मॉडल

Career After 10th / SSC - Chart
After 10th / SSC
12th / Inter / HSC
Visit: www.examstime.in
ITI
Diploma Engineering
Non-Engineering
Design
Government / Railway / Bank Jobs
Exams Time

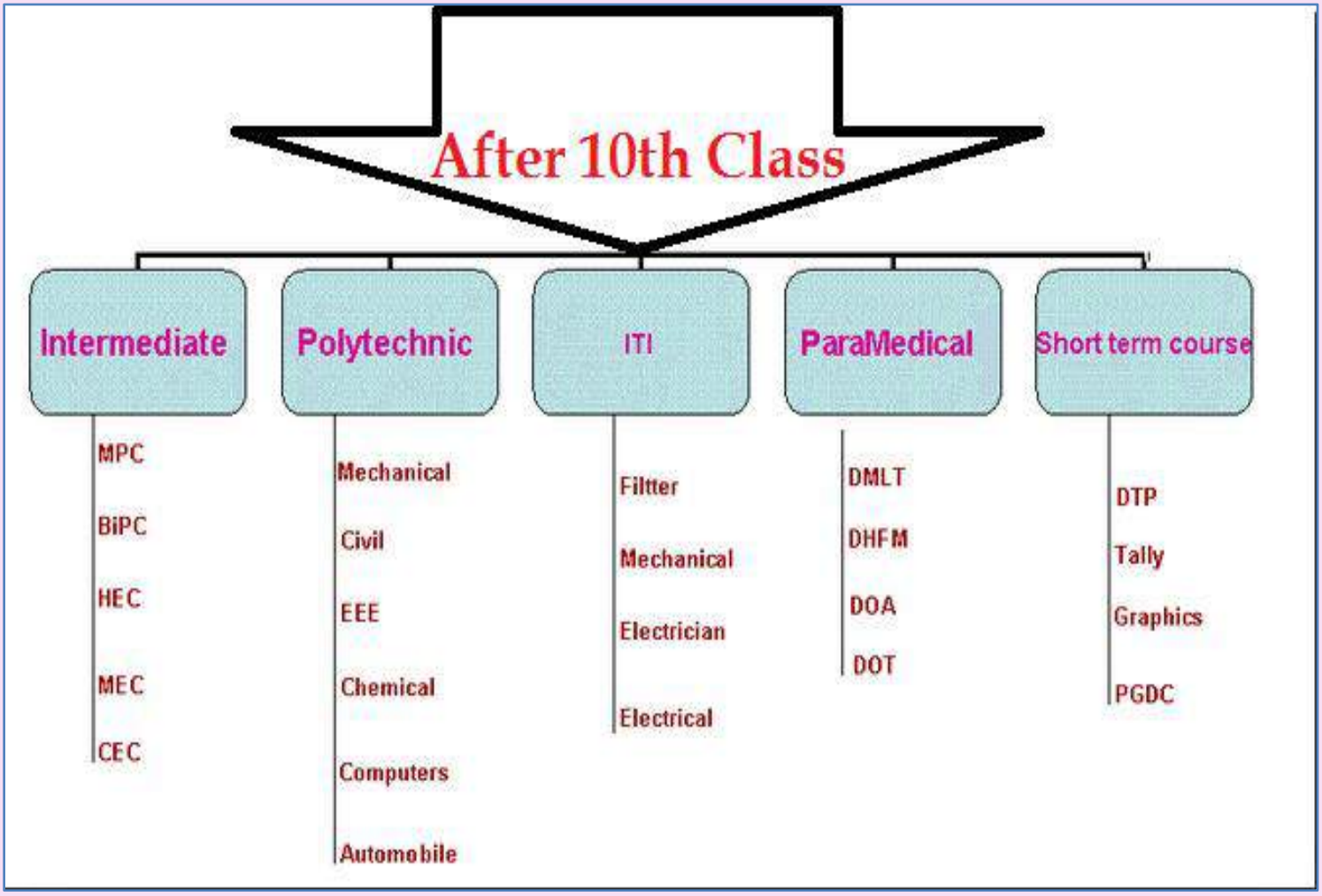
After 10th Class
Intermediate
MPC
BiPC
HEC
MEC
CEC
Polytechnic
Mechanical
Civil
EEE
Chemical
Computers
Automobile
ITI
Filtter
Mechanical
Electrician
Electrical
ParaMedical
DMLT
DHFM
DOA
DOT
Short term course
DTP
Tally
Graphics
PGDC

MeraCareer Guide.com

Top Graduate Level Courses after 12th for PCM Students

- 4 yrs — Engineering
- 3 yrs — Management
  - Business Administration (BBA)
  - Business Management (BBM)
- 5 yrs — Law (LLB)
- 3 yrs — BA
  - Sales & Marketing
  - English
  - Hindi /Urdu etc.
  - Foreign Languages
  - Social Science
- 3 yrs — National Defense Academy (NDA)
  - Army
  - Air Force
  - Navy
- 3 yrs — Nautical Science
- 5 yrs — Technical Entry Scheme
- 3-4 yrs — Creative Careers
  - Fine Arts (Music, Dance, Painting etc.)
  - Media Studies
  - Advertisement
  - Design (B.Des)
    - Fashion Design
    - Leather Design
    - Knitwear Design
    - Textile Design
    - Interior Design
    - Accessory Design
  - Journalism
  - Film Making
  - Photography
  - Animation
- 2.5 yrs — Alternate Training Scheme (ATS) (Shipping Jobs)
- 5 yrs — Architecture B.Arch
- 3 yrs — B.Sc
  - Physics
  - Chemistry
  - Metallurgy
  - Maths/Computers Electronics
- 3 yrs — Tourism
- 3 yrs — Computer Application/ Science (BCA)
- 3 yrs — Hospitality Management
- 3 yrs — Hotel Management
- 3 yrs — Teaching
  - 1 yr — Nursery
  - 1-2 yrs — Teacher Training Course (TTC) (For Primary Schools)
  - 3 yrs — Bachelor
    - 1 yr — B.Ed (High School)
- 3 yrs — B.Com

Ask your career related queries – anytime, anywhere – just log on to www.MeraCareerGuide.Com

Copyright © MeraCareerGuide.com

धन्यवाद